सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक: 42 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 17 मार्च, 2026
मूल्य ₹ 3/-

सबसे बड़ा अपराध अन्याय सहना और गलत के साथ समझौता करना है।
-सुभाष चन्द्र बोस

धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित... 7 | तमिलनाडु व केरल में विस चुनाव... 3 | ब्राह्मणों को बदनाम करने की... 2

पाकिस्तानी खून खराबा भारत पर युद्ध का साया!

» काबुल से तेल अवीव तक बारूद, मिडिल ईस्ट में महायुद्ध के संकेत

» बमों और मिसाइलों की बारिश के बीच चीन का सबसे बड़ा दांव

पाकिस्तान का अफगानिस्तान पर हमला, 400 से ज्यादा मरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में चालू बमों की बारिश के बीच पाकिस्तान का काबुल पर हमले ने जंग के दायरे को भारत की दहलीज पर लाकर खड़ा कर दिया है। अफगानिस्तान के एक नशा मुक्ति केन्द्र पर पाकिस्तानी एयर स्ट्राईक ने 400 से ज्यादा लाशें बिछा दी है। अफगानिस्तान में करूण रूंदन है और उसने बदला लेने का एलान कर दिया है। वहीं मध्य पूर्व में जंग और ज्यादा विस्फोटक हो रही है। कहीं से सुलाह के असार नहीं सुनाई दे रहे।

जंग का ताजा अपडेट यह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बीजिंग यात्रा को स्थागित कर दिया है वहीं चीन ने अमेरिका को ईरान में उलझा देखकर ताइवान के इर्द-गिर्द बारूद का जाल बुनना शुरू कर दिया है। बस यूरोपियन देशों की थोड़ी सी समझदारी जंग के व्यापक रूप को रोकने का काम कर रही है। जर्मनी, इटली, और दूसरे कई अन्य देशों ने अमेरिका का खुलकर साथ देने से इंकार कर दिया है। ताजा हालात की बात करें तो अमेरिकी बमबारी से तेहरान की सड़कों में दूर से ही गड्डे नजर आ रहे हैं। ईराक के अमेरिकी बेस कैंप में तबाही के शोले है और तेल अवीव खंडहर बन चुका है। दुनिया इस वक्त बारूद के ऐसे ढेर पर बैठी है, जहां एक चिंगारी पूरे महाद्वीप को आग में झोंक सकती है। पाकिस्तान ने अचानक अफगानिस्तान की राजधानी काबुल पर हमला कर जंग के नक्शे को और खतरनाक बना दिया। यह हमला सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि उस आग में घी डालने जैसा है जो पहले ही ईरान और इजरायलके बीच धधक रही है। काबुल में एक नशा मुक्ति केंद्र को निशाना बनाकर की गई एयर स्ट्राइक ने 400 से ज्यादा लोगों की जान ले ली। सैकड़ों लाशें, चीखते परिवार, और बदले की खुली धमकी-अफगानिस्तान अब खामोश नहीं है। यह हमला एक नई जंग का उद्घोष बन चुका है।

भारत पर पड़ेगा इस धमाके का असर

मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया में भड़कती आग अब सीधे भारत की चौखट तक पहुंचती दिखाई दे रही है। काबुल में हुए हमले और ईरान-इजरायल के बीच जारी टकराव का असर भारत के लिए सिर्फ कूटनीतिक चुनौती नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक संकट भी बन सकता है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। ऐसे में अगर युद्ध लंबा खिंचता है तो तेल की कीमतों में उछाल तय है। इसका सीधा असर महंगाई ट्रांसपोर्ट और आम आदमी की रसोई तक देखने को मिलेगा। एलपीजी और पेट्रोल-डीजल की कीमतें पहले ही दबाव में हैं और अब हालात और बिगड़ सकते है। इसके अलावा लाखों भारतीय नागरिक खाड़ी देशों में काम करते हैं। अगर युद्ध का दायरा बढ़ता है तो उनकी सुरक्षा भी एक बड़ा सवाल बन जाएगी। एयरलाइंस, व्यापार और समुद्री मार्गों पर भी खतरा मंडराने लगा है। रणनीतिक रूप से भी भारत के लिए यह समय बेहद संवेदनशील है। एक तरफ उसे संतुलित कूटनीति बनाए रखनी है वहीं दूसरी ओर अपने आर्थिक हितों और नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी है। कुल मिलाकर यह जंग भले सीमाओं से दूर शुरू हुई हो लेकिन इसके झटके अब भारत के भीतर महसूस होने लगे हैं।

काबुल का मंजर और बदले की तैयारी

काबुल पर हुआ हमला सिर्फ एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि एक मानवीय त्रासदी बन चुका है। पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में जिस नशा मुक्ति केंद्र को निशाना बनाया गया वहां सैकड़ों लोग मौजूद थे। नतीजा 400 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर और दर्जनों के घायल होने की सूचना एक झटके में बाहर आ गयी। अफगानिस्तान ने इस हमले को सीधी आक्रामकता करार दिया है। तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार ने साफ कहा है कि इस हमले का जवाब दिया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान का यह कदम टीटीपी के खिलाफ कार्रवाई के नाम पर उठाया गया लेकिन इसका असर कहीं ज्यादा व्यापक हो सकता है। क्योंकि अब यह सिर्फ आतंकवाद विरोधी आपरेशन नहीं बल्कि दो देशों के बीच खुला सैन्य टकराव बनता जा रहा है। अफगानिस्तान की तरफ से बदले की चेतावनी ने हालात को और खतरनाक बना दिया है। सीमा पर तनाव बढ़ चुका है और छोटे-छोटे संघर्ष बड़े युद्ध का रूप ले सकते हैं। काबुल की सड़कों पर पसरा सन्नाटा और मलबे के बीच तलाशती जिंदगियां इस बात का सबूत हैं कि जंग का सबसे बड़ा नुकसान हमेशा आम लोगों को ही उठाना पड़ता है।

आर्थिक मोर्चो पर फायदा उठाना चाहता है चीन

इसके अलावा आर्थिक मोर्चे पर भी चीन इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। वैश्विक सप्लाई चेन में हो रहे बदलाव और ऊर्जा संकट के बीच वह खुद को एक स्थिर विकल्प के रूप में पेश कर रहा है। ताइवान को लेकर चीन का रुख पहले से ही आक्रामक रहा है लेकिन मौजूदा हालात ने उसे और ज्यादा अवसर दे दिया है। अगर यह घेराबंदी और बढ़ती है तो एशिया में एक और बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। यानी एक तरफ बम और मिसाइलों की जंग है तो दूसरी तरफ रणनीति और मौके की जंग। और इस खेल में चीन शायद सबसे ज्यादा चुपचाप लेकिन सबसे बड़ा दांव खेल रहा है।

चीन की ताइवान के इर्द-गिर्द घेराबंदी

जब दुनिया का ध्यान मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया की जंग पर केंद्रित है तब बीजिंग अपनी रणनीति को चुपचाप आगे बढ़ा रहा है। यह वही पुराना खेल है जब विरोधी उलझे हों तब अपने पते मजबूत कर लो। चीन ने ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं। ताइवान के चारों ओर नौसैनिक और हवाई अभ्यास बढ़ा दिए गए हैं। यह सिर्फ अभ्यास नहीं बल्कि एक स्पष्ट संदेश है कि चीन इस मौके को गंवाना नहीं चाहता। विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका इस समय ईरान और इजरायल के मुद्दे में उलझा हुआ है। ऐसे में चीन को लगता है कि एशिया प्रशांत क्षेत्र में उसकी गतिविधियों पर तत्काल सख्त प्रतिक्रिया नहीं आएगी। चीन का मकसद सिर्फ सैन्य दबाव बनाना नहीं बल्कि वैश्विक परसेप्शन को भी प्रभावित करना है। वह यह दिखाना चाहता है कि विश्व व्यवस्था बदल रही है और अब अमेरिका हर मोर्चे पर एक साथ प्रभावी नहीं रह सकता।

भारत कहां खड़ा हैं?

मध्य पूर्व की स्थिति पहले ही विस्फोटक है। तेहरान से लेकर तेल अवीव तक आग की लपटें उठ रही हैं। अमेरिकी हमलों ने ईरान की राजधानी को जख्मी कर दिया है वहीं इजरायल भी हमलों की चपेट में है। हालात ऐसे है कि सुलह की कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही सिर्फ युद्ध के नगाड़े बज रहे है। इसी बीच डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी बीजिंग यात्रा स्थगित कर दी है। संकेत साफ है कि वैश्विक कूटनीति भी अब जंग के साए में दबती जा रही है। उधर चीन चुप नहीं बैठा है। उसने ताइवान के आसपास अपनी सैन्य गतिविधियां तेज कर दी हैं जैसे किसी बड़े मौके की तलाश में हो। यूरोप के कुछ देश जरूर संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जर्मनी, इटली जैसे देशों ने खुलकर अमेरिकी हमलों का समर्थन करने से दूरी बनाई है लेकिन क्या यह पर्याप्त है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस पूरे घटनाक्रम में भारत कहां खड़ा है। क्योंकि काबुल में गिरा बम तेहरान में उठती हर आग और तेल अवीव में विस्फोट उसकी आंच अब भारत की दहलीज तक महसूस होने लगी है। यह सिर्फ अब दो देशों की जंग नहीं रही। यह एक ऐसा जाल बनता जा रहा है जिसमें एशिया यूरोप और वैश्विक अर्थव्यवस्था सब उलझते जा रहे हैं। और इस बार सवाल सिर्फ यह नहीं कि कौन जीतेगा। सवाल यह है कि इस जंग में बचा कौन रहेगा।

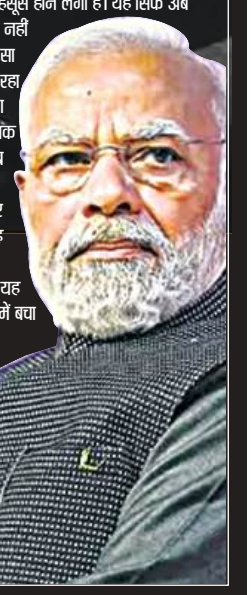

ब्राह्मणों को बदनाम करने की हो रही साजिश : अखिलेश

» पुलिस भर्ती परीक्षा में पूछे सवाल पर सपा प्रमुख भड़के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने योगी सरकार को जमकर घेरा है। पुलिस भर्ती में आए विवादित सवाल को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जानबूझकर यह सब कराती है, फिर दूसरों को बदनाम कराती है।

भाजपा के पास एक टीम है, जिसे वह पैसे देती है और दूसरों को बदनाम करती है। क्या ब्राह्मण समाज को कोई इस तरह से बदनाम कर सकता है। यह पहली बार नहीं हुआ है, जिन्हें हाता नहीं भाता, वे इस तरह का काम कई बार कर चुके हैं। भाजपा सरकार ने शंकराचार्य को भी अपमानित किया।

सपा प्रमुख ने कहा है कि जब विधानसभा चुनाव होता है, तो जिस राज्य में भाजपा की सरकार नहीं होती है, वहां के डीजीपी, मुख्य सचिव और अन्य अधिकारी हटा दिए जाते हैं। लेकिन, जिस राज्य में भाजपा की सरकार रहती है, वहां कोई अधिकारी नहीं हटाया जाता है। यूपी में जिन अधिकारियों के परिवार के लोग चुनाव लड़ रहे थे, उन्हें भी नहीं हटाया था।

भाजपा के लोग अफवाहजीवी हैं

अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में उप चुनाव के दौरान जिन अधिकारियों ने समाजवादी पार्टी को चुनाव हराया था, हमने उनकी लिस्ट जारी की थी, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई। भाजपा के लोग अफवाहजीवी है। लोगों को खाना बनाने के लिए रसोई गैस सिलेंडर नहीं दे पा रहे हैं।

यूपी में भाजपा से जुड़े गुंडे होते हैं तो यमराज छुट्टी पर चले जाते हैं : चंद्रशेखर

» आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सीएम योगी पर किया हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने यूपी के सीएम पर करारा हमला किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कहते है कि हर चौराहे पर यमराज खड़े हैं, मगर लेकिन गुंडे भाजपा से जुड़े होते है तो यमराज छुट्टी पर चले जाते हैं। उन्होंने कहा कि गारंटी देता हूं कि 20 मार्च 2020 को हमने पार्टी बनाई। मैंने किसी धर्म पर टिप्पणी नहीं की। बदनाम किया जा रहा है।

उन्होंने संभल के सीओ को सत्ताधारी दल के नेताओं की तरह बोलने का आरोप लगाया और कहा कि हाईकोर्ट ने जो टिप्पणी की उसका स्वागत है। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर अलग-अलग जिलों में जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान लखनऊ में दिया गया उनका एक बयान काफी वायरल हो रहा है।

उधर आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद का एक बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल रहा है। इसमें वह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं, उसका जूता बनाना भी जानते हैं और समय आने पर उसे सिर पर पटककर मारना भी जानते हैं। ये बयान उन्होंने मीडिया से बात करते हुए दिया। उन्होंने किसी का नाम तो नहीं लिया लेकिन माना जा रहा है कि उन्होंने करणी सेना के एक पदाधिकारी के बयान पर पलटवार किया है। बता दें कि करणी सेना के प्रदेश महामंत्री ने बयान जारी कर कहा था कि हम चंद्रशेखर को बाराबंकी की धरती पर कदम नहीं रखने देंगे। चंद्रशेखर ने कहा कि हम संघर्ष करने वाले लोग हैं। हम सज्जन लोग हैं। मैं तो संवैधानिक व्यक्ति हूं। हम चमड़ा उतारना भी जानते हैं और समय आने पर उसे सिर पर पटककर मारना भी जानते हैं। हम सिर्फ संविधान से डरते हैं और संविधान के खिलाफ कभी नहीं जाएंगे।

अपराधी कर रहे विधायकों की खरीद-फरोख्त : नवीन पटनायक

» ओडिशा के पूर्व सीएम ने बीजेपी को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कटक। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजू जनता दल (बीजेडी) के नेता नवीन पटनायक ने राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि विधायकों की खरीद-फरोख्त में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोग शामिल हैं। पटनायक ने मीडिया से कहा कि पिछले कुछ दिनों में भाजपा और उसके सहयोगियों के बारे में जो चर्चा हुई है, उससे साफ है कि वे किस मकसद से विधायकों की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं।

उन्होंने अपने लिए काम करने के लिए कई लोगों को इकट्ठा किया है। मुझे यह कहते हुए शर्म आ रही है कि उनमें से ज्यादातर का आपराधिक इतिहास है। नवीन पटनायक ने कहा कि आप खुद देख लीजिए कि उनमें से कितने लोगों के माता-पिता जेल जा चुके हैं या खुद जेल जाने की धमकी का सामना कर चुके हैं। और कल ही भाजपा विधायकों को पारादीप जेल में रखा गया था। इससे पहले आज, पटनायक ने राज्यसभा चुनाव के दौरान मतदान में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि एक विधायक को दूसरा मतपत्र जारी करके चुनाव नियमों का उल्लंघन किया गया।पटनायक ने कहा कि ब्रह्मगिरि विधानसभा क्षेत्र की विधायक ने वोट डालते समय गलती की थी। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि मतदान अधिकारी ने गलती के बावजूद वोट स्वीकार कर लिया और बाद में दूसरा मतपत्र जारी किया, जो उनके अनुसार चुनाव नियमों का उल्लंघन है। पटनायक ने कहा कि ब्रह्मगिरि की विधायक ने वोट डालते समय स्पष्ट गलती की थी। लेकिन मतदान कक्ष में मौजूद प्रभारी अधिकारी ने अवैध रूप से उनका वोट स्वीकार कर लिया और दूसरा मतपत्र जारी कर दिया। यह पूरी तरह से लोकतांत्रिक मानदंडों के विरुद्ध और चुनाव नियमों का उल्लंघन है।

भविष्य में यूपी का होगा बंटवारा : राजभर

सुभासपा प्रमुख का दावा- उनका बेटा होगा पूर्वांचल का मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराजगंज। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने दावा किया है कि उनकी पार्टी का जनाधार तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में उत्तर प्रदेश का बंटवारा होता है तो राजभर का बेटा पूर्वांचल का मुख्यमंत्री होगा। ओपी राजभर ने यह बात महराजगंज में आयोजित सामाजिक समरसता महारैली को संबोधित करते हुए कही।

उन्होंने कहा कि वह आज जो भी बोल पा रहे हैं, वह बहुजन आंदोलन के नेता कांशीराम की देन है। कांशीराम ने शोषितों, दलितों और पिछड़े समाज को जागरूक करने का काम किया, जिसके परिणामस्वरूप मुलायम सिंह यादव और मायावती जैसे नेता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। राजभर ने कहा कि कांशीराम का नारा था जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी, हालांकि उनका यह सपना अभी पूरी तरह साकार नहीं हो पाया है, उन्होंने दावा किया कि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ही इस सपने को पूरा करेगी। ओम प्रकाश राजभर ने बसपा और सपा पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि मायावती के शासनकाल में अधिकारी हनुमान चालीसा पढ़ते थे। जब कांशीराम ने अपनी पार्टी की स्थापना की, उस समय अखिलेश यादव विदेश में पढ़ाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को 2027 में सत्ता में आने का सपना छोड़ देना चाहिए, क्योंकि सपा सरकार में ही कांशीराम नगर का नाम बदलकर कासगंज कर दिया गया था।

जहां मैं बैठता हूं वहीं सीएम और डीजीपी भी बैठते हैं

राजभर ने कहा कि सरकार ने ऐसी व्यवस्था की है कि किसी भी व्यक्ति का इलाज पैसे के अभाव में नहीं रुकेगा. उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति, चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या पार्टी का हो, यदि उनके पास मदद के लिए आएगा तो उसकी हरसंभव सहायता की जाएगी। उन्होंने कहा, जनता के बल पर आज मैं जहां बैठता हूं, वहीं मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव और डीजीपी भी बैठते हैं, आप लोगों ने नेता चुना है, लोडर नहीं, अपनी समस्याएं बेझिझक बताइए, उनका समाधान होगा।

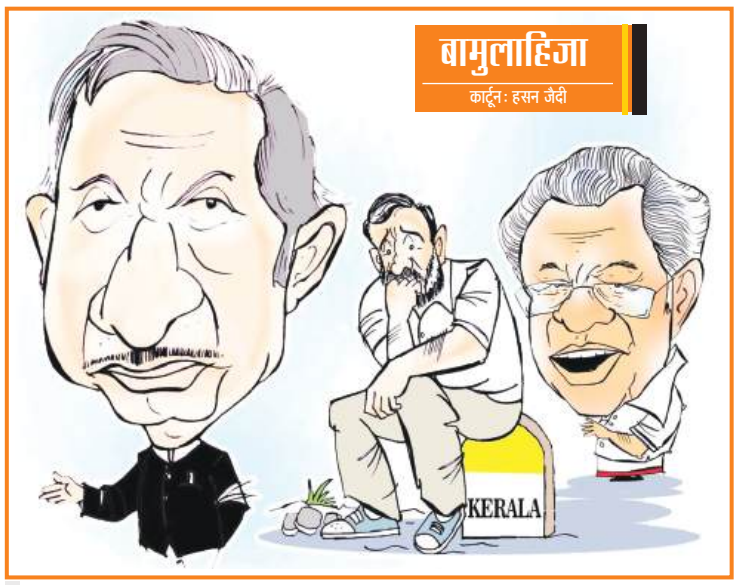

हमारी जीत पर किसी को भी नहीं कोई शक : स्टालिन

सीएम ने आगामी विस चुनावों से पहले पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने आगामी विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से नए जोश के साथ काम करने का आह्वान किया और जोर देकर कहा कि पार्टी को हर उस सीट पर जीत हासिल करनी है जहां वह चुनाव लड़ रही है।

पार्टी मुख्यालय में जिला सचिवों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित हो चुका है और प्रचार के लिए कुछ ही सप्ताह बचे हैं। उन्होंने कहा कि कल चुनाव तिथि की घोषणा हुई। 23 अप्रैल तक केवल 39 दिन शेष हैं। हमारी पार्टी चुनाव प्रचार में अग्रणी भूमिका निभा रही है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कज़गम ने पिछले पांच वर्षों में अपनी कल्याणकारी योजनाओं और शासन के माध्यम से मजबूत जनसमर्थन प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि हमारी कल्याणकारी योजनाओं जैसे सभी परिवारों को पोंगल उपहार के रूप में 3,000 रुपये देना, 1.31 करोड़ परिवारों को महिला अधिकारों की सहायता के रूप में 5,000 रुपये देना और वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों सहित लगभग 40 लाख लोगों को 2,000 रुपये की विशेष वित्तीय सहायता प्रदान करना, के माध्यम से जनता के बीच हमारा समर्थन काफी बढ़ गया है। पार्टी की संगठनात्मक शक्ति पर प्रकाश डालते हुए स्टालिन ने कहा कि डीएमके और उसके सहयोगियों ने गठबंधन के भीतर भ्रम पैदा करने के प्रयासों का सफलतापूर्वक मुकाबला किया है और चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाया है।

तमिलनाडु व केरल में विस चुनाव की आहट में सक्रिय हुई सियासत

- एआईडीएमके से निष्कासित नेता वीके शशिकला भी मैदान में
- एएमएमके के महासचिव एनडीए के पक्ष में
- करेल में सीपीएम के दिग्गज नेता पार्टी से कर रहे किनारा
- डीएमके, एआईडीएमके यूडीएपफ व एलडीएपफ ने भी ठोंकी ताल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। दक्षिणी राज्य तमिलनाडु व केरल में विस चुनाव है। जल्द ही चुनाव आयोग वहा के लिए तरीखों का ऐलान कर सकता है। उधर इन राज्यों में सियासत में उलटपलट होने लगी है। कुछ दिग्गज और पुराने चेहरे फिर सक्रिय हो गए है। तमिलनाडु में डीएमके, कांग्रेस, एआईडीएमके व भाजपा ताल ठोंक रहे है। तो केरल में यूडीएपफ व एलडीएपफ में टक्कर है।

इस बीच जयललिता की विरासत पर शशी कला ने दावा करके नई पार्टी बनाकर की सियासत में वापसी का ऐलान कर दिया है। तो वहीं के रल में कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के लिए एक बड़ा झटका देते हुए, वरिष्ठ नेता जी. सुधाकरन ने गुरुवार को घोषणा की कि उन्होंने पार्टी से सभी संबंध तोड़ लिए हैं और आगामी केरल विधानसभा चुनाव में अपने गृह क्षेत्र अंबलप्पुझा से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। इन सबके बीच एएमएमके नेता टीटीवी दिनाकरन ने तमिलनाडु में एनडीए की सरकार बनने का विश्वास जताया है, जिसका कारण उन्होंने मौजूदा डीएमके सरकार के प्रति जनता की बढ़ती असंतुष्टि को बताया है। उन्होंने डीएमके पर चुनावी वादे पूरे न करने और अपनी कमजोरी छिपाने के लिए गठबंधन का विस्तार करने का आरोप लगाया।

जनता की मौन क्रांति, एनडीए को सत्ता में ला सकता है : दिनाकरन

एएमएमके के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने कहा है कि तमिलनाडु में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सत्ता में आएगा, क्योंकि जनता मौजूदा सरकार से असंतुष्ट है। तिरुचिरापल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए दिनाकरन ने सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम (डीएमके) की आलोचना करते हुए कहा कि पार्टी हर किसी को अपने गठबंधन में शामिल कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि आगामी चुनावों में भी ऐसी ही स्थिति उत्पन्न हो सकती है, जिसमें लोग मौन क्रांति कर एनडीए को सत्ता में ला सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के कार्यकाल में उच्च पदों पर रहे कई नेता, जो अब राजनीतिक रूप से अप्रासंगिक हो चुके हैं, आर्थिक रूप से मजबूत होने के बाद डीएमके गठबंधन में शामिल किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि डीएमके का दावा है कि वह अपने गठबंधन सहयोगियों के कारण मजबूत है और इसी मजबूती के कारण उसने पिछले चुनाव जीते थे। हालांकि, उन्होंने सवाल उठाया कि अगर पार्टी पहले से ही मजबूत है तो उसे गठबंधन में और पार्टियों को शामिल करने की क्या जरूरत है। उनके अनुसार, इसका कारण मौजूदा सरकार के प्रति जनता में बढ़ती असंतुष्टि है। दिनाकरन ने कहा कि 2011 के चुनावों से पहले, चुनाव परिणाम घोषित होने तक जनता की असंतुष्टि दिखाई नहीं दी थी। यह पूछे जाने पर कि क्या भारतीय जनता पार्टी द्वारा अधिक सीटों की मांग के कारण सीट बंटवारे की वार्ता में देरी हुई, उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल दल मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए हुए हैं और सीट बंटवारे पर चर्चा को अंतिम रूप देकर उचित समय पर घोषणा की जाएगी।

सीट बंटवारा एक महत्वपूर्ण मुद्दा

सीट बंटवारा एक महत्वपूर्ण मुद्दा है और यहां तक कि डीएमके और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, जो आठ वर्षों से अधिक समय से गठबंधन में हैं, के बीच भी सीट बंटवारे की वार्ता के दौरान मतभेद हुए थे। इसी तरह, चर्चाओं में समय लगता है, लेकिन उनके गठबंधन में कोई आंतरिक समस्या नहीं है। दिनाकरन ने द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम सरकार पर चुनाव वादों को पूरा करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया, जिसमें नीट परीक्षा को समाप्त करने का वादा भी शामिल है। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि राज्य में कानून व्यवस्था बिगड़ गई है और यौन हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं।

जयललिता की स्मृति में रामनाथपुरम में आयोजित की जनसभा

जयललिता की स्मृति में रामनाथपुरम में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए शशिकला ने अपने पूर्व सहयोगी और एआईएडीएमके के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी (ईपीएस) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने उन पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उनके नेतृत्व में पार्टी का पतन हुआ है। शशिकला, जो कभी एआईएडीएमके की कार्यवाहक महासचिव और तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की करीबी सहयोगी थीं, आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी पाए जाने के बाद पार्टी से निष्कासित कर दी गई थीं। उन्होंने कहा कि अगर मैं पिछले नौ वर्षों की तरह चुप रही तो यह तमिलनाडु की जनता के साथ विश्वासघात होगा। इसलिए, तमिलनाडु की जनता और हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं के हित में, हम एक नई पार्टी शुरू करने जा रहे हैं। तमिलनाडु की जनता और हमारे कार्यकर्ताओं के लिए, हम एक नए युग की शुरुआत करने जा रहे हैं। हम एक नई पार्टी, एक नई द्रविड़ पार्टी शुरू कर रहे हैं जो पेरारिग्नर अन्ना, पुरची थलाइवर एमजीआर और पुरची थलाइवी अम्मा के मार्ग का अनुसरण करेगी। यह गरीबों और आम लोगों की पार्टी के रूप में काम करेगी और दुश्मनों और गद्दारों को जड़ से उखाड़ फेंकेगी।

शशिकला ने वर्तमान एआईडीएमके नेतृत्व पर विश्वासघात का आरोप

एआईडीएमके से निष्कासित नेता वीके शशिकला ने ऑल इंडिया पुरैची थलाइवर मक्कल मुनेत्र कड़गम नाम से नई पार्टी की घोषणा की है, जिसका उद्द०श्य MGR और जयललिता की विरासत को आगे बढ़ाना है। उन्होंने वर्तमान एआईडीएमके नेतृत्व पर विश्वासघात का आरोप लगाते हुए अपनी पार्टी को गरीबों और कार्यकर्ताओं के लिए एक नया आंदोलन बताया। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कजगम से निष्कासित नेता और पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता की सहयोगी वी.के. शशिकला ने अपनी नई राजनीतिक पार्टी का नाम ऑल इंडिया पुरची थलाइवर मक्कल मुन्नेत्र कजगम घोषित किया। उन्होंने पार्टी का आधिकारिक चिन्ह, नारियल के बागान का अनावरण भी किया।

अपनी नई पार्टी के नाम की घोषणा के दौरान, निष्कासित एआईडीएमके नेता ने पार्टी के संस्थापक एम.जी. रामचंद्रन को भावभीनी याद किया। उन्होंने कहा कि MGR ने पार्टी की स्थापना विशेष रूप से जनता की सेवा करने और डीएमके के खिलाफ खड़े होने के लिए की थी, और इस बात पर जोर दिया कि यह आंदोलन गरीबों के उत्थान के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ स्थापित किया गया था। शशिकला ने कहा कि जैसा कि मैंने आपको पहले ही बताया है, MGR ने जनता के लिए पार्टी शुरू की थी। इसका कारण DMK का विरोध करना था। MGR की पार्टी गरीबों के लिए शुरू हुई थी। एक पेड़ से पूरा बागान नहीं बन जाता। हम अपने पार्टी कार्यकर्ताओं और लोगों के साथ एक बागान के रूप में आए हैं। इससे पहले, एआईएडीएमके की पूर्व नेता ने पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता की 78वीं जयंती के अवसर पर पार्टी का झंडा फहराते हुए घोषणा की थी कि वह एक नई द्रविड़ पार्टी शुरू करेंगी।

यूडीएफ से समर्थन का कोई सवाल ही नहीं : सुधाकरन

कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के लिए एक बड़ा झटका देते हुए, वरिष्ठ नेता जी. सुधाकरन ने गुरुवार को घोषणा की कि उन्होंने पार्टी से सभी संबंध तोड़ लिए हैं और आगामी केरल विधानसभा चुनाव में अपने गृह क्षेत्र अंबलप्पुझा से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए सुधाकरन ने कहा कि वह अंबलप्पुझा के तटीय जिले में स्थित उस निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे, जिसे लंबे समय से सीपीआई (एम) का गढ़ माना जाता रहा है। उन्होंने कहा, यूडीएफ से समर्थन का कोई सवाल ही नहीं है, क्योंकि मैंने इसके लिए अनुरोध नहीं किया है। मैंने किसी से बात नहीं की है। पूर्व मंत्री ने यह भी कहा कि वह अपने चुनाव प्रचार के तहत दीवार पेंटिंग या सम्मेलन आयोजित नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, मैंने किसी का समर्थन नहीं मांगा है। सुधाकरन ने कहा कि वे चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक मुद्दे उठाएंगे, लेकिन राज्य सरकार के खिलाफ नहीं बोलेंगे। साथ ही, उन्होंने संकेत दिया कि वे भ्रष्टाचार से जुड़े मुद्दों पर बात करेंगे। सुधाकरन ने कहा कि उन्होंने राज्य समिति को कोई शिकायत नहीं दी है और निचले स्तर पर ही मुद्दों को सुलझा लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री या पार्टी नेतृत्व से हस्तक्षेप या टिकट के लिए कभी संपर्क नहीं किया। अपने बारे में हालिया खबरों का जिक्र करते हुए सुधाकरन ने कहा कि मीडिया में उनके नाम से छपे कई बयान गलत हैं। उन्होंने यूडीएफ के समर्थन से चुनाव लड़ने की अटकलों को भी खारिज करते हुए ऐसे दावों को प्रचार बताया। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि कुछ नेताओं ने उनसे मुलाकात की थी, लेकिन किसी भी वरिष्ठ पार्टी नेता ने उनसे सुलह के लिए संपर्क नहीं किया। सुधाकरन ने याद दिलाया कि उन्होंने 68 साल पहले स्कूल में पढ़ते समय ही सीपीआई (एम) में शामिल हो गए थे और 1967 में एसएन कॉलेज में पढ़ाई के दौरान पार्टी की राजनीति में सक्रिय हो गए थे। उन्होंने कहा, मैंने किसी के दबाव में आकर पार्टी में शामिल नहीं हुआ। सुधाकरन ने बताया कि उन्होंने अपनी पार्टी की सदस्यता का नवीनीकरण नहीं कराया है, जिसकी जांच सीपीआई (एम) शाखा समिति द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा, पार्टी की सदस्यता छोड़ने के बाद मैं संगठनात्मक कार्यों से भी अलग हो जाऊंगा। लेकिन मैं पार्टी की विचारधारा और नीतियों को नहीं छोड़ रहा हूं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

छुट्टा जानवरों की समस्या का कब निकलेगा हल

पिछले कुल दिनों से भारत के अलग-अलग शहरों से छुट्टा जानवरों की वजह से कई लोगों की मरने की खबरें आईं। इसके अतिरिक्त कुत्तों के काटने से बच्चों की जान जाने की चर्चा भी रही। विडंबना ये है कि अदालतो के आदेश के बाद भी सरकारें कोई कदम क्यों नहीं उठा रही हैं। अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट छुट्टा जानवरों के लिए खड़ा हुआ था। उसने राज्य सरकारों को कहा कि इनके लिए तुरंत अलग ठिकाने बनाए। देश के हर शहर में छुट्टा जानवरों के झुंड के झुंड सड़क घेरे बैठे रहते हैं। इतना तो ठीक है पर ये इतने आतंकित करते हैं लोग इनसे सहमे रहते हैं। कभी कभी तो ये हिंसक हो जाते हैं और ल[

पशु निराश्रित नहीं है, उनको तो इस हाल में लाने के लिए वे लोग जिम्मेदार हैं जो उन्हें निराश्रित छोड़ देते हैं। इनके अचानक से वाहन के सामने आ जाने से दुर्घटनाएं हो जाती हैं। इनको रोकने के लिए स्थानीय लोग जब भी ऐसे जानवरों को देखे, स्थानीय प्रशासन में सूचना दें। पशुओं के मालिकों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए। सड़कों पर निराश्रित पशुओं की वजह से आए दिन हादसे होते रहते हैं। इसलिए नगर निगम की ये जिम्मेदारी बनती हैं कि वे निराश्रित पशुओं को पकड़कर गोशालाओं में छोड़कर आएं ताकि दुर्घटना भी न हो और निराश्रित पशुओं को भी समय पर चारा मिल सके। निराश्रित पशुओं से सड़क पर होने वाले हादसों को रोकने के लिए नेशनल हाईवे अथॉरिटी व राज्य सड़क परिवहन विभाग द्वारा सड़कों पर पशुओं के विचरण को रोकने के लिए ऊंची दीवार या डिवाइडर निर्मित किए जाने चाहिए। जो पशु सड़क मार्गों के आसपास घास या चारा खाने अथवा अन्य कोई वाहन चालकों द्वारा गिराए जाने वाले खाद्य उत्पाद को खाने के लिए वहां जाते हैं, उनके गले में चमकीले रेडियम के पट्टे/बैंड बांधे जाने चाहिए। जहां पर भी सड़क मार्ग निर्मित किए गए हैं यह रास्ते गोवंश के विचरण के रास्ते थे इसलिए स्वाभाविक रूप से पशु अपने रास्तों पर ही विश्राम करते हैं अत: इन निराश्रित पशुओं के लिए गोचर भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कर उनमें गौशाला विकसित की जानी चाहिए। सड़कों पर घूमने वाले निराश्रित पशुओं को समय-समय पर पकड़ने की मुहिम चलानी चाहिए। इन निराश्रित पशुओं के सड़कों के बीचोंबीच बैठने से आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, जो अनेक बार जानलेवा बन रही हैं। पशुपालक अपने पालतू पशुओं को अपने घरों मे ही बांधकर रखें तो लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिल सकती हैं।

“ ये समस्या शहरों में ही नहीं गांवों में भी बड़ स्तर पर फै ली है। ये छुट्टा जानवर खेतों में खड़ी फसलों तक को नुकसान कर देते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में कभी-कभी वहां रह रहे निवासियों के बीच हिंसक झड़पें सुनने को मिलती हैं जिससे वहां का माहौल खराब हो जाता है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

घातक हो सकती है मशीनों की निर्णायक भूमिका

डॉ. शशांक द्विवेदी

हाल ही में ईरान पर हुए हमलों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि आधुनिक युद्ध अब केवल हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि डेटा, एल्गोरिद्म और मशीनों की गति से भी लड़े जा रहे हैं। पिछले दिनों अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा ईरान पर किए गए हमलों में एआई की निर्णायक भूमिका सामने आई। रिपोर्टों के अनुसार, एआई आधारित 'मेवन स्मार्ट सिस्टम' ने रियल-टाइम में लाखों डेटा और निगरानी सूचनाओं का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की पहचान की। इस तकनीक की मदद से कुछ ही घंटों में सैकड़ों हमले किए गए और बड़ी संख्या में लोग मारे गए। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, मेवन सिस्टम के विकास की शुरुआत 2017 में हुई थी। अमेरिकी रक्षा विभाग ने महसूस किया कि उनके पास ड्रोन फुटेज का इतना विशाल भंडार है कि उसे देखने के लिए पर्याप्त इंसान ही नहीं हैं।

शुरुआत में, अमेरिकी सेना ने गूगल के साथ साझेदारी की। इसके विरोध में 3,000 से अधिक कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। वर्ष 2018 में गूगल ने इस प्रोजेक्ट से हाथ खींच लिए। बाद में पेंटागन ने एंडुइल इंडस्ट्रीज और पालंटिर जैसी छोटी टेक कंपनियों पर दांव लगाया। पालंटिर टेक्नोलाजीज द्वारा तैयार किया गया मेवन स्मार्ट सिस्टम बेहद शक्तिशाली एआई एल्गोरिदम है, जिसने आधुनिक युद्ध के तौर-तरीकों को पूरी तरह से बदल दिया है। इसका मुख्य काम कंप्यूटर विजन का उपयोग करके युद्ध के मैदान की लाखों तस्वीरों और वीडियो फुटेज को स्कैन करना है। ड्रोन और सेटेलाइट से मिलने वाले अंतहीन वीडियो फुटेज को इंसान के लिए देख पाना और उसमें से खतरे को पहचानना नामुमकिन है। मेवन इसे सेकंडों में कर लेता है। यह सिस्टम भीड़ में से दुश्मन की गाड़ियों, हथियारों के डिपो और छिपे हुए ठिकानों को पहचान सकता है। यह शोर और सिग्नल के बीच अंतर कर सकता है, जिससे नागरिकों की मौत की संख्या कम करने और सटीक हमले करने में मदद मिलती है। पहले किसी लक्ष्य की पहचान करने, उसकी पुष्टि करने और उस पर हमला करने में कई घंटे या कभी-कभी कई दिन लग जाते थे।

अब यही प्रक्रिया कुछ ही मिनटों या सेकंडों में पूरी हो सकती है। उपग्रह चित्र, ड्रोन कैमरे, संचार संकेत और खुफिया जानकारी-इन सबका विश्लेषण करने के लिए एआई एल्गोरिद्म का उपयोग किया जा रहा है। मशीनें विशाल डेटा का विश्लेषण कर संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार करती हैं और सैन्य कमांडरों को

तुरंत निर्णय लेने में मदद करती हैं। मेवन प्रणाली उपग्रह चित्रों, ड्रोन फुटेज, संचार अवरोधन और अन्य खुफिया स्रोतों से आने वाले विशाल डेटा का विश्लेषण करती है। इसके बाद यह संभावित लक्ष्यों की सूची तैयार कर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर क्रमबद्ध करती है, जिससे सैन्य कमांडर तेजी से निर्णय ले सकते हैं। यही कारण है कि आधुनिक युद्धों में हमलों की गति और तीव्रता दोनों बढ़ गई हैं। ऐसी तकनीक ने युद्ध संचालन की गति को लगभग दोगुना कर दिया है। सवाल यह है कि जब एल्गोरिद्म यह तय करने लगें कि किसे निशाना बनाया जाए, तो मानव नैतिकता और जिम्मेदारी का स्थान क्या होगा? युद्ध का निर्णय केवल तकनीकी गणना का विषय नहीं हो सकता। हर लक्ष्य के पीछे मनुष्य का जीवन और समाज की संरचना जुड़ी होती है। विशेषज्ञों का मानना है कि एआई आधारित युद्ध प्रणाली में गलती की संभावना भी उतनी ही खतरनाक हो सकती है जितनी उसकी क्षमता। यदि किसी नागरिक क्षेत्र को गलती से सैन्य लक्ष्य मान लिया जाए, तो उसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन और नीति विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि एआई आधारित हथियारों में अंतिम निर्णय मनुष्य के हाथ में ही रहना चाहिए। इसे 'ह्यूमन-इन-द-लूप' सिद्धांत कहा जाता है। एआई, ड्रोन स्वार्म, स्वचालित हथियार और साइबर युद्ध-ये सब मिलकर भविष्य के युद्धों की नई तस्वीर बना रहे हैं। आने वाले वर्षों में युद्ध केवल जमीन, समुद्र और आकाश तक सीमित नहीं रहेगा; यह डेटा सेंटर, उपग्रह नेटवर्क और एल्गोरिद्म के स्तर पर भी लड़ा जाएगा।

भारत ने हाल के वर्षों में रक्षा तकनीक, ड्रोन और एआई अनुसंधान में तेजी दिखाई है, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए इस क्षेत्र में और अधिक निवेश और रणनीतिक सोच की आवश्यकता है। आत्मनिर्भर रक्षा तकनीक केवल सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि भविष्य की वैश्विक शक्ति संरचना में अपनी भूमिका तय करने का भी माध्यम है। प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, बल्कि मानवता का है। यदि युद्ध की गति मशीनों के हाथों में चली गई, तो क्या मानवीय विवेक पीछे छूट जाएगा? एआई युद्ध को तेज, सटीक और व्यापक बना सकता है, लेकिन यह भी उतना ही सच है कि हर बटन के पीछे अंतत: एक मानव निर्णय होना चाहिए। युद्ध की सबसे बड़ी कीमत हमेशा इंसान ही चुकाता है-मशीनें नहीं।

अंधेरे की परतों से रोशनी तलाशने का हुनर

समस्याएं वास्तव में वे रोशनी होती हैं जो छांव की गहरी परतों के अंदर छिपी रहती हैं। जो छांव की उन गहरी परतों को भेदने का साहस कर लेते हैं, वे संपूर्ण आलोक को अपने अंक में पाते हैं।

डॉ. रेणु सैनी

इंसान एक ऐसा प्राणी है जो छोटी-सी समस्या के आगे भी हथियार डाल सकता है। वहीं अगर उसकी आंतरिक क्षमता जाग्रत हो जाए तो वह बड़ी से बड़ी समस्या को भी अवसर बना कर दुनिया के सामने ऐसी रोशनी बना कर प्रस्तुत करता है कि लोगों की आंखें चौंधिया जाती हैं। जापान के लोग केवल अपनी जीवनशैली से ही दुनिया के सामने उदाहरण प्रस्तुत नहीं करते हैं, वरन वे जापानी शब्दावली से भी लोगों को प्रेरित और उत्साहित करते हैं। 'कोमोरेबी' एक बहुत ही खूबसूरत और गहरा जापानी शब्द है। इसका अन्य भाषाओं में ऐसा कोई अनुवाद देखने को नहीं मिलता है। यह शब्द केवल एक दृश्य का वर्णन नहीं करता, बल्कि जीवन के उन पड़ावों का जिक्र करता है, जिनके बीच से सकारात्मक पहलुओं को ढूंढ़कर जीत की नींव रखी जाती है।

कोमोरेबी का अर्थ हुआ-पेड़ों के पत्तों के बीच से छनकर आती हुई सूरज की रोशनी। यह शब्द उस जादुई दृश्य को बताता है जब जंगल या पेड़ों के झुरमुट के नीचे जमीन पर प्रकाश और छाया की आंख-मिचौली चलती रहती है। यह दृश्य अक्सर प्रकृति की उस सुंदरता को भी प्रदर्शित करता है जिसे व्यक्ति जीवन की भागदौड़ में अक्सर अनदेखा कर देता है। जब पृथ्वी पर पेड़ों और पत्तों के बीच से धूप खनकती है और झरती है तो वह दृश्य अत्यंत मुग्ध करने वाला होता है। इस दृश्य का अत्यंत खूबसूरत सार है कि जब भी जीवन में तिमिर या अंधकार छा जाता है तो कहीं दूर से एक किरण उस तिमिर को दूर कर देती है और यह विश्वास दिलाती है कि रुको मत, बस निरंतर चलते रहो। अपनी मेहनत और विश्वास के बल पर निरंतर चलने रहने से पत्तों के झरोखों से झांकती सूर्य की धूप एक दिन पूरे जगत में ऐसी दीप्ति फैलाएगी कि राहें सुनहली हो जाएंगी। कोमोरेबी को ही अपना हथियार बनाकर मैरी के. ऐश ने महिलाओं के लिए ऐसी सुनहरी राहें बनाई कि कई महिलाओं के लिए उद्यमी बनने के रास्ते खुल गए। मैरी के. ऐश अत्यंत मेहनती थी।

उन्होंने एक कंपनी में मन लगाकर कार्य किया। जब प्रोन्नति की बात आई तो इस महिला को छोड़कर एक जूनियर पुरुष कार्मिक को प्रमोशन दे दी गई। दुखदायी बात यह थी कि उस पुरुष कार्मिक को मैरी ने ही दो वर्षों तक सिखाया था। अब वह न केवल उससे उच्च पद पर था, अपितु उससे दोगुना वेतन भी प्राप्त कर रहा था। यह देखकर महिला अपमान और क्षोभ से ग्रसित हो गई। पहले वाली कंपनियों में भी उनके साथ ऐसा ही भेदभाव हुआ था। आखिर 45 साल की आयु में इन्होंने नौकरी छोड़ दी और कुछ ऐसा करने का निर्णय लिया जो पुरुषों के सामने एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करे और महिलाओं को इस भेदभाव से मुक्ति दिलाए। इन्होंने एक पुस्तक लिखने का निर्णय किया। जब वे लिखने लगीं तो उन्हें महसूस हुआ कि केवल पुस्तक लिखने भर से या पुस्तक में सलाह देने से कुछ नहीं होगा।

इसके लिए उन्हें खुद कुछ ठोस कार्य करना होगा। आखिर वह क्या हो सकता है? काफी सोच-विचार कर उन्होंने स्वयं एक ऐसा संगठन खड़ा करने का निर्णय लिया जहां पर महिलाओं को उनकी योग्यता के आधार पर काम, तनख्वाह और सम्मान मिले। वर्ष 1963 में इन्होंने अपनी सारी जमा-पूंजी लगाकर मैरी के कॉस्मेटिक्स नाम से कंपनी बनाई। उसमें इन्होंने पहले स्टोर पर नौ महिलाओं को काम दिया। इनकी कंपनी सीधे ग्राहकों के घर जाकर उन्हें सौंदर्य उत्पाद दिखाती और बेचती। पत्तों से झरती धूप-छांव की तरह वे निरंतर काम करती रहीं। सफलता की एक छोटी सी किरण उन्हें प्रोत्साहित करती रही कि कुछ ही समय में वे आकाश के सूर्य की तरह चमकेंगी। देखते ही देखते कुछ सालों में उनका कारोबार तीस से अधिक देशों में फैल गया और उनके हाथों में आठ लाख सेल्सकर्मियों की कमान आ गई। इन्होंने गुलाबी रंग को अपना ब्रांडिंग बनाया और सेल्स में अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिलाओं को 'गुलाबी कैडिलैक' कार इनाम में देनी शुरू की।

फलस्वरूप कामयाबी उनके कदम चूमने लगी। जो पुरुष पहले उन पर व्यंग्य करते थे, वे उनकी कंपनी से जुड़ने के लिए लालायित होने लगे। मैरी के. ऐश ने अपनी मेहनत और जुनून से साबित कर दिया कि एक महिला जब ठान ले तो वह आसमान को अपने कदमों पर ला सकती है और पूरे फलक में अपनी गहरी पैठ बना सकती है। समस्याएं वास्तव में वे रोशनी होती हैं जो छांव की गहरी परतों के अंदर छिपी रहती हैं। जो छांव की उन गहरी परतों को भेदने का साहस कर लेते हैं, वे संपूर्ण आलोक को अपने अंक में पाते हैं। मैरी के. ऐश ने अनेक कंपनियों में भेदभाव का सामना कर टॉमस जे. वॉटसन की इस बात को सही साबित कर दिया कि, 'यहां बहुत तरह की समस्याएं नहीं हैं। समस्या बस एक ही है। हममें से कुछ लोग अपने ग्राहकों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं।' जॉर्ज नॉर्डनहोल्ट का भी यही कहना है कि, 'समस्या चाहे कितनी ही बड़ी और मुश्किल क्यों न हो, समाधान की ओर एक छोटा कदम उठाकर हम दुविधा से मुक्ति पा सकते हैं।'

मां शैलपुत्री मंदिर

उत्तर प्रदेश की पवित्र नगरी काशी में माता शैलपुत्री का मंदिर है। मां शैलपुत्री देवी के नौ स्वरूपों में से एक हैं, जिनकी पूजा नवरात्रि के पहले दिन होती है। वाराणसी के अलईपुर क्षेत्र में स्थित इस मंदिर में हर साल काफी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। मान्यता है कि मां शैलपुत्री के दर्शन मात्र से भक्तों की मनोकामना पूरी हो जाती है।

तरकुलहा देवी मंदिर

गोरखपुर जिले में तरकुलहा देवी मंदिर है, जो कि चमत्कारी माना जाता है। मान्यता है कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब कोई अंग्रेज इस मंदिर के पास से गुजरता था तो क्रांतिकारी बंधू सिंह अंग्रेज का सिर काटकर देवी को समर्पित करता था। बाद में अंग्रेजों ने बंधू सिंह को पकड़कर फांसी दी, तो उनका फांसी का फंदा ही टूट गया। ऐसा 6 बार हुआ। जिस पर जल्लाद ने बंधू सिंह से गिड़गिड़ाते हुए कहा कि अगर फांसी नहीं दी तो अंग्रेज उसे मार देंगे। बंधू सिंह ने माता से प्रार्थना की तो सातवीं बार में उसे फांसी हो गई। उसके बाद से इस मंदिर की महिमा दूर दूर तक फैल गई।

यूपी के प्रसिद्ध मंदिरों में करें माता के दर्शन

चैत्र नवरात्रि 2026 की शुरुआत 19 मार्च से हो रही है। नवरात्रि नौ दिनों का पावन पर्व है, जिसमें मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। नवरात्रि के पहले दिन कलश स्थापना होती है। वहीं लोग नौ दिनों का उपवास करते हैं और इन नौ दिन माता का पूजा अर्चना व भजन करते हैं। चैत्र नवरात्रि का समापन राम नवमी को होता है। मां दुर्गा की पूजा के लिए घर के मंदिर के अलावा भारत में कई अद्भुत व प्रसिद्ध मंदिर हैं, जिनकी महिला पूरे देश में विख्यात है। मान्यता है कि देवी सती के अंग धरती पर जहां गिरे वह शक्तिपीठ बन गया और ऐसे ही 52 शक्तिपीठों में भक्त माता के दर्शन के लिए जाते हैं। इसके अलावा हिंदुओं की आस्था से जुड़े कई मंदिर विभिन्न शहरों में भी स्थापित हैं। नवरात्रि के मौके पर आप इन प्रसिद्ध देवी मंदिरों के दर्शन करने जा सकते हैं। अगर आप उत्तर प्रदेश के रहने वाले हैं तो आपको किसी दूसरे राज्य जाने की जरूरत नहीं। यूपी में कई चमत्कारी और प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर हैं, जहां इस नवरात्रि दर्शन के लिए जा सकते हैं।

प्रयाग शक्तिपीठ मां ललिता मंदिर

संगम नगरी प्रयागराज में भी माता का शक्तिपीठ है। यहां माता सती के हाथ की उंगली गिरी थी। इसे मां ललिता मंदिर के नाम से जाना जाता है। ऐसे ही ती और मंदिर प्रयागराज में हैं और सभी को शक्तिपीठ मानकर पूजा की जाती है।

देवी पाटन मंदिर

बलरामपुर जिले में देवी के 52 शक्तिपीठों में से एक स्थित है, जिसे देवी पाटन मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह जिले के तुलसीपुर में स्थित है। यहां माता सती का वाम स्कंध के साथ पट गिरा था। इस कारण इस शक्तिपीठ का नाम पाटन पड़ा। वहीं देवी को माता मातेश्वरी के नाम से पूजा जाता है।

माता ललिता देवी मंदिर

नैमिष धाम उत्तर प्रदेश के सबसे पवित्र स्थानों में शामिल है। यह स्थान सीतापुर के मिश्रिख में स्थित है। नैमिष धाम में मां ललिता देवी का मंदिर है, जहां दूर दराज से भक्त पहुंचते हैं। ललिता माता मंदिर 52 शक्तिपीठों से एक है। मान्यता है कि यहां माता सती का हृदय गिरा था।

हंसना मना है

मां- बेटा क्या कर रहे हो? बेटा-पढ़ रहा हूं मां.. मां- शाबाश! क्या पढ़ रहे हो? बेटा- आपकी होने वाली बहु के एसएमएस, दे थप्पड़, दे थप्पड़!

पति और पत्नी का जोरदार झगड़ा होता है। पति गुस्से से- तेरी जैसी 50 मिलेंगी। पत्नी हंसके- अभी भी मेरी जैसी ही चाहिए!

लड़की वाले लड़का देखने गए, बोले- कितना कमा लेते हो? लड़का- इस महीने दो करोड़ कमाया। लड़की वाले- फिर क्या हुआ? लड़का- बस, फिर मोबाइल में तीन पत्ती हेंग हो गयीं और सारी कमाई चली गयी।

टीचर- मैं दो वाक्य दूंगा उसमें आपको अंतर बताना है। पहला वाक्य- उसने बर्तन धोए। दूसरा वाक्य- उसे बर्तन धोने पड़े। पप्पू - पहले वाक्य में कर्ता अविवाहित है और दूसरे वाक्य में कर्ता विवाहित है।

पत्नी- कहां हो? पति- याद है, पिछली दीपावली पर एक ज्वेलरी की दुकान में गये थे, जहां तुम्हें एक हार पसंद भी आया था। पत्नी- हां! पति- और उस समय मेरे पास पैसे नहीं थे। पत्नी- हां! हां! याद है। पति- फिर मैंने कहा था ये हार मैं तुम्हें लेके दूंगा। पत्नी- हां हां हां.. बहुत अच्छी तरह से याद है। पति- तो बस उसी की बगल वाली दुकान में बाल कटवा रहा हूं, थोड़ा लेट आऊंगा!!

कहानी | कर्ण और दुर्योधन की मित्रता

कर्ण और दुर्योधन की मित्रता महाभारत में दोस्ती की मिसाल पेश करती है। इनकी गहरी दोस्ती की कई कहानियां महाभारत में प्रचलित हैं। एक बार की बात है, गुरु द्रोणाचार्य ने राजकुमारों के बीच प्रतियोगिता रखी, जिसमें उन्हें कई करतब दिखाने थे। इस प्रतियोगिता में भाग लेने कौरवों और पांडवों के अलावा दूर-दूर के राज्यों से भी राजकुमार आए थे। इस प्रतियोगिता में अर्जुन ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन तभी वहां कर्ण आ गया। कर्ण ने वो सारे करतब कर दिखाए, जो अर्जुन कर चुका था। फिर कर्ण ने अर्जुन को मुकाबले के लिए ललकारा, लेकिन गुरु द्रोणाचार्य ने इस मुकाबले के लिए मना कर दिया, क्योंकि कर्ण कोई राजकुमार नहीं था और यह प्रतियोगिता राजकुमारों के बीच थी। वहीं, दुर्योधन नहीं चाहता था कि यह प्रतियोगिता अर्जुन जीत जाए, इसलिए दुर्योधन ने कर्ण को अंग देश का राज सौंप दिया और उसे अंगराज घोषित कर दिया। इस घटना के बाद कर्ण सदा दुर्योधन का आभारी रहा और उसे अपना परम मित्र मानने लगा। कर्ण ने हमेशा दुर्योधन की मदद की और एक ईमानदार साथी का फर्ज निभाया। कर्ण बहुत वीर था, इसलिए वह दुर्योधन को योद्धा की तरह लड़ने की शिक्षा देता था। दुर्योधन जब भी अपने मामा शकुनि के बहकावे में आकर पांडवों को धोखा देने की सोचता, तो कर्ण उसे कायर कहकर धिक्कार देता था। एक बार दुर्योधन ने जब पांडवों को जलाकर मारने के लिए लाक्षागृह का निर्माण करवाया, तो कर्ण को यह बात बहुत बुरी लगी। कर्ण ने कहा, दुर्योधन तुम्हें युद्ध के मैदान में अपनी वीरता का प्रदर्शन करना चाहिए, न कि छल कपट करके अपनी कायरता का प्रदर्शन करना चाहिए। कर्ण ने हमेशा मुसीबत में फंसे दुर्योधन का साथ दिया। दुर्योधन चित्रांगद की राजकुमारी से शादी करना चाहता था, लेकिन राजकुमारी ने उसे स्वयंवर में अस्वीकार कर दिया था। दुर्योधन तिलमिलाकर राजकुमारी को जबरदस्ती उठा लाया। अन्य राजा दुर्योधन के पीछे-पीछे भागे, वो दुर्योधन को मार देना चाहते थे। यहां भी कर्ण ने दुर्योधन की मदद की और सभी राजाओं को परास्त कर दिया। महाभारत में कई ऐसी घटनाएं हैं, जो साबित करती हैं कि कर्ण एक वीर योद्धा और दुर्योधन का वफादार साथी था।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। जरा सी लापरवाही से अधिक हानि हो सकती है। पुराना रोग बाधा का कारण बन सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ

पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। अनहोनी की आशंका रहेगी। शत्रुभय रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

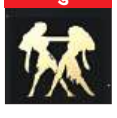

प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। जीवनसाथी से अनबन हो सकती है। स्थायी संपत्ति खरीदने-बेचने की योजना बन सकती है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क

नौकरी और व्यापार में लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। व्यापार में अधिक लाभ होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें।

सिंह

पारिवारिक समस्याओं में इजाफा होगा। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूर से बुरी खबर मिल सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी।

कन्या

पुराने किए गए प्रयासों का लाभ मिलना प्रारंभ होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

तुला

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। सुख के साधन जुटेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। घर में मेहमानों का आगमन होगा।

वृश्चिक

शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु

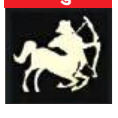

यात्रा में सावधानी रखें। जल्दबाजी से हानि होगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर

कोई बड़ी बाधा आ सकती है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुम्भ

नई योजना बनेगी जिसका लाभ तुरंत नहीं मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। चिंता तथा तनाव हावी रहेंगे।

मीन

पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे। अध्यात्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी।

अब श्रेया घोषाल भी लेंगी सिंगिंग से ब्रेक!

बॉलीवुड | गपशप

बॉलीवुड के फैंस के लिए एक और चौंकाने वाली खबर आई है। अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास लेने के फैसले पर जहां अभी तक फैंस को यकीन नहीं हो रहा, वहीं अब सिंगर श्रेया घोषाल ने भी इस कदम की ओर इशारा किया है। 42 साल की श्रेया ने एक नए इंटरव्यू में इस बात पर जोर दिया कि लाइव सिंगिंग में स्टेज पर लिप-सिंकिंग करना ऐसी चीज है, जिस पर वह कभी निर्भर नहीं रहना चाहेंगी।

अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से ब्रेक लेने के फैसले पर फैंस के बीच चर्चा छिड़ने के बाद, अब श्रेया घोषाल ने कहा है कि जिस दिन उन्हें ऐसा कुछ करना पड़ा, वह गाना बंद कर देंगी। 5 बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकीं श्रेया घोषाल ने कहा कि कभी-कभी उनका मन भी ब्रेक लेने का करता है। सात बार फिल्मफेयर अवॉर्ड जीत चुकीं श्रेया घोषाल ने कहा कि लाइव परफॉर्मेंस देना एक कलाकार के तौर पर उनकी पहचान का अहम हिस्सा है। बैरी पिया और मेरे ढोलना की सिंगर ने जोर देकर कहा कि स्टेज पर लिप-सिंकिंग करना ऐसी चीज है जिस पर वह कभी निर्भर नहीं रहना चाहेंगी। उन्होंने कहा, मुझे यह बहुत अजीब लगता है। जिस दिन मुझे ऐसा करना पड़ेगा, उस दिन मैं गाना बंद कर दूंगी।

श्रेया घोषाल बोलीं- जब तक आवाज साथ, रियाज जारी रखूंगी श्रेया घोषाल ने आगे कहा कि जब तक उनकी आवाज उनका साथ देगी और वह अपना रियाज जारी रखेंगी। वह हमेशा स्टेज पर खड़े होकर दर्शकों के लिए लाइव गाना ही पसंद करेंगी।

श्रेया घोषाल ने अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से संन्यास के फैसले को बहादुरी भरा कदम बताया और तारीफ की। उन्होंने कहा, कभी-कभी मेरा भी ब्रेक लेने का मन करता है। उन्होंने यह फैसला बहुत बहादुरी से लिया। अरिजीत एक ऐसे इंसान हैं, जो संगीत से बहुत गहराई से जुड़े हुए हैं। वह दिल से एक संगीतकार हैं। वह यह नहीं सोचते कि वह संगीत क्यों बना रहे हैं या उन्हें इससे क्या मिलेगा। वह बस वही करते हैं जिससे उन्हें खुशी मिलती है। पश्चिम बंगला के मुर्शिदाबाद में पैदा हुई श्रेया कहती हैं कि संगीत के प्रति अरिजीत सिंह की ईमानदारी ही उन वजहों में से एक है, जिस कारण दर्शक उनसे इतनी गहराई से जुड़ पाते हैं। उन्होंने कहा, उनके लिए, संगीत बाकी सब चीजों से बड़ा है और इसीलिए लोग उन्हें इतना ज्यादा प्यार करते हैं।श्रेया ने स्टेज पर लाइव परफॉर्मेंस देने वाले कलाकारों को उनकी जिम्मेदारी को लेकर भी सचेत किया।

द ग्रेट ग्रांड सुपरहीरो में नए किरदार में नजर आए जैकी श्रॉफ

जैकी श्रॉफ की अदाकारी वाली अपकमिंग फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो-एलियंस का आगमन का टीजर रिलीज हो गया है। इसमें जैकी श्रॉफ सुपरहीरो के किरदार में नजर आए हैं। टीजर दर्शकों को बचपन के जादू और कल्पना की दुनिया में ले जाता है।

एक मिनट सात सेकंड के टीजर में दिखाया गया है कि एक बच्चा है जो स्कूल में पढ़ता है। उसे कुछ महीनों में स्कूल बदलना पड़ता है। वह यह बात किसी को नहीं बताता है। अगर किसी को यह बात पता चल गई, तो पृथ्वी पर हमला हो सकता है। इसकी वजह यह है कि उसके दादा खास हैं। उनके पास सुपरपावर है। टीजर के आखिर में नजर आता है कि लड़के के दादा का किरदार जैकी श्रॉफ ने किया है। वह सुपरहीरो के किरदार में नजर आते हैं।

द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो में जैकी श्रॉफ, प्रतीक स्मिता पाटिल, मिहिर गोडबोले, शिवांश चोरगे, दुर्गेश कुमार, सहर्ष शुक्ला, कुमार सौरभ, भाग्यश्री दास और शरत सक्सेना हैं। यह फिल्म इस साल गर्मियों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के निर्देशक और लेखक मनीष सैनी हैं। इसका निर्माण जी स्टूडियोज और अमदावाद फिल्म्स ने किया है।

बॉलीवुड | खुशखबरी

शादी के 10 साल बाद मां बनने वाली हैं दिव्यांका त्रिपाठी !

दिव्यांका त्रिपाठी के घर जल्द किलकारी गूंजने वाली है। दिव्यांका और उनके पति विवेक दहिया का 10 साल का इंतजार खत्म होने को है। कपल अपने पहले बच्चे का वेलकम करने को तैयार है। 8 जुलाई 2016 को उनकी शादी हुई थी। घर में नन्हे मेहमान के आने की न्यूज से परिवार में जश्न का माहौल है। हालांकि, अभी तक कपल की तरफ से प्रेग्नेंसी न्यूज को लेकर कंफर्मेशन नहीं दी गई है। फैंस को ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार है। कपल अपनी लाइफ का नया चैप्टर शुरू करने जा रहा है। दिव्यांका और विवेक के घरवाले और उनके करीबी दोस्त नन्हे लाडले के आने की न्यूज सुनकर सातवें आसमान पर हैं। सूत्रों के मुताबिक, परिवार के लोगों की एक्साइटमेंट पीक पर है। उन्होंने नन्हे मेहमान के स्वागत में जश्न भी शुरू कर दिया है। हालांकि, कपल ने अपनी पर्सनल लाइफ को हमेशा प्राइवेट ही रखा है। लेकिन उन्हें जानने वाले करीबी लोग उनकी खुशियों का हिस्सा बनकर फूले नहीं समा रहे हैं। जल्द दिव्यांका के लिए बेबी शावर होस्ट किया जाएगा। ये फंक्शन इंटीमेट होगा। जहां सिर्फ परिवार के लोग और इंडस्ट्री के करीबी दोस्त शामिल होंगे। मोहब्बतें के सेट पर दिव्यांका और विवेक की पहली मुलाकात हुई थी। शो के सेट पर उनकी जोड़ी बनी। उनमें दोस्ती हुई, फिर प्यार और शादी। भोपाल में उनकी ग्रैंड वेडिंग हुई थी। टीवी इंडस्ट्री में उनकी शादी की काफी चर्चा रही थी। दिव्यांका और विवेक टीवी इंडस्ट्री के मोस्ट एडोरेबल कपल माने जाते हैं। वो इंडस्ट्री की पार्टियों से दूर अपने स्पेस में खुश रहते हैं। इंस्टा पर उनके रील वीडियो वायरल रहते हैं। दोनों की केमिस्ट्री के फैंस दीवाने हैं। इससे पहले भी दिव्यांका की प्रेग्नेंसी को लेकर खबरें उड़ी थीं। लेकिन हर बार उन्होंने इसे अफवाह ही करार दिया है। फैंस को उम्मीद है इस बार ये न्यूज गलत ना निकलें। वो भी सालों से कपल के पेरेंटहुड में कदम रखने की आस लगाए बैठे हैं।

भारत का अनोखा रेलवे स्टेशन, जहां एक साथ 4 भाषाओं में होती है अनाउंसमेंट

भारतीय रेलवे लगातार अपने स्टेशनों को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें और बेहतर बनाने में जुटा हुआ है। साथ ही साथ यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए वहां कई नई सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जब भी किसी ऐसे स्टेशन की खासियत सामने आती है, तो उससे जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगते हैं। भारत में कई रेलवे स्टेशन अपनी अलग-अलग विशेषताओं के कारण काफी प्रसिद्ध हैं। कुछ स्टेशन अपनी लंबाई, चौड़ाई, अनोखे नाम या खास व्यवस्थाओं के लिए दुनिया भर में चर्चा में रहते हैं। कई विदेशी पर्यटक भी इन स्टेशनों की तारीफ करते नजर आते हैं। ऐसे ही आज हम आपको भारत के एक ऐसे रेलवे स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां यात्रियों की सुविधा के लिए एक नहीं बल्कि चार अलग-अलग भाषाओं में अनाउंसमेंट की जाती है। अब सवाल यह है कि आखिर वह कौन सा स्टेशन है। भारत में कई रेलवे स्टेशन अपनी खास विशेषताओं के कारण देश-दुनिया में मशहूर हैं। इन अनोखे स्टेशनों की अलग-अलग पहचान है। यह अनोखा स्टेशन नवापुर रेलवे स्टेशन है। यहां हिंदी, अंग्रेजी, गुजराती और मराठी इन चार भाषाओं में घोषणाएं की जाती हैं, ताकि अलग-अलग क्षेत्रों से आने वाले यात्रियों को जानकारी आसानी से समझ में आ सके। यही खासियत इस स्टेशन को बाकी स्टेशनों से अलग बनाती है। पश्चिमी रेलवे के अंतर्गत आने वाला नवापुर रेलवे स्टेशन अपनी अनोखी विशेषताओं के कारण काफी प्रसिद्ध है। इस स्टेशन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह दो राज्यों महाराष्ट्र और गुजरात की सीमा पर स्थित है। यही वजह है कि स्टेशन का एक हिस्सा महाराष्ट्र में पड़ता है तो दूसरा हिस्सा गुजरात में आता है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यहां प्लेटफॉर्म पर रखी कुछ कुर्सियां भी ऐसी हैं जो आधी महाराष्ट्र और आधी गुजरात की सीमा में आती हैं। यानी एक ही कुर्सी दो राज्यों में बंटी हुई दिखाई देती है। यही नहीं, इस स्टेशन पर दोनों राज्यों के कानून भी लागू होते हैं, जो इसे भारत के सबसे अनोखे रेलवे स्टेशनों में से एक बनाते हैं।

अजब-गजब | इस जनजाति में मनायी जाती है अनोखी परंपरा

यहां लाशों के साथ एक ही छत के नीचे रहते हैं लोग

दुनिया के हर कोने में मौत के बाद शव को अंतिम विदाई देने के अपने-अपने तरीके हैं। कहीं जलाया जाता है, तो कहीं दफनाया जाता है, लेकिन क्या आपने कभी सुना है कि किसी परिवार में मौत के बाद भी शव को बरसों तक घर के एक कमरे में जिंदा इंसान की तरह रखा जाता हो? शायद नहीं सुना होगा। ऐसे में आज हम आपको Tribes and Traditions सीरीज के तहत इंडोनेशिया के दक्षिण सुलावेसी द्वीप की पहाड़ियों में रहने वाली 'तोराजा जनजाति' की एक ऐसी ही परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे सदियों से निभाया जा रहा है। यहां मौत का मतलब रिश्तों का अंत नहीं, बल्कि एक लंबी और खर्चीली विदाई की शुरुआत है। इस जनजाति के लोग अपने मृत परिजनों को तब तक नहीं दफनाते जब तक कि वे उनके लिए दुनिया का सबसे भव्य और महंगा अंतिम संस्कार आयोजित करने का इंतजाम नहीं कर लेते।

तोराजा जनजाति की मान्यताओं के अनुसार, जब किसी व्यक्ति की सांसें थम जाती हैं, तो उसे 'मृत' नहीं माना जाता। वे उसे 'मकुला' कहते हैं, जिसका अर्थ है बीमार व्यक्ति। परिवार का मानना होता है कि आत्मा अभी भी शरीर के भीतर या उसके आसपास ही है और उसे देखभाल की जरूरत है। इसीलिए, शव को घर के सबसे अच्छे कमरे में रखा जाता है। उसे हर रोज तीन से चार बार ताजा खाना खिलाया जाता है, पानी दिया जाता है और यहां तक कि अगर वह व्यक्ति जीवित रहते हुए सिगरेट पीने का शौकीन था, तो उसे सिगरेट भी दी जाती है। घर के सदस्य उस शव से वैसे ही बातें करते हैं जैसे वह सुन रहा हो। शव से दुर्गंध न आए, इसके लिए सालों पहले खास जड़ी-बूटियों का लेप लगाया जाता था, लेकिन अब फॉर्मल्डिहाइड जैसे रसायनों का उपयोग करके उसे ममी की तरह सुरक्षित रखा जाता है।

इस अजीबोगरीब सेवा के पीछे की असली वजह बहुत ही व्यावहारिक और आर्थिक है। तोराजा समाज में रैम्बू सोलो नाम का अंतिम संस्कार दुनिया के सबसे महंगे समारोहों में से एक माना जाता है। एक औसत परिवार को अंतिम संस्कार के लिए कम से कम 42 लाख रुपये की जरूरत होती है, जबकि रईस परिवारों के लिए यह खर्च करीब 4 करोड़ रुपये तक चला जाता है। इस समारोह में सैकड़ों मेहमानों को दावत दी जाती है, अस्थाई झोपड़ियां बनाई जाती हैं और सबसे महत्वपूर्ण है- भैंसों की बलि। तोराजा लोग मानते हैं कि भैंस वह वाहन है जो मृतक की आत्मा को 'पुया' (आत्माओं की दुनिया) तक ले जाएगी। एक साधारण अंतिम संस्कार के लिए भी कम से कम 6 से 24 भैंसों की बलि देना अनिवार्य है। दुर्लभ सफेद या धब्बेदार भैंसों की कीमत तो 10,000 से 40,000 डॉलर तक होती है।

चूंकि इतनी भारी रकम जुटाने में किसी भी सामान्य फैमिली को सालों लग जाते हैं, इसलिए परिवार लाश को घर में रखकर धीरे-धीरे पैसे जमा करता है। कई मामलों में शव को महीनों या कई सालों तक घर में रखा जाता है। जब पर्याप्त धन इकट्ठा हो जाता है, तब कई दिनों तक चलने वाला उत्सव होता है, जिसमें जमकर नाच-गाना और पशु बलि दी जाती है। लेकिन विदाई के बाद भी सिलसिला खत्म नहीं होता। हर कुछ सालों में 'मा'नेने' नाम की एक रस्म निभाई जाती है, जिसे 'सेकंड फ्यूनरल' कहा जाता है। इसमें दफनाए गए शवों को कब्रों से बाहर निकाला जाता है, उन्हें साफ किया जाता है और नए कपड़े पहनाकर पूरे गांव में घुमाया जाता है। तोराजा समुदाय के लिए यह कोई डरावनी बात नहीं, बल्कि अपनों के प्रति प्यार और सम्मान दिखाने का तरीका है। वे मानते हैं कि अगर अंतिम संस्कार ठीक से न हुआ और पर्याप्त बलि न दी गई, तो पूर्वजों की आत्माएं परिवार पर मुसीबतें ला सकती हैं।

यूपी की शिक्षा व्यवस्था का भविष्य है एआई : राजेश्वर

युवाओं को फ्यूचर जॉब्स के लिए तैयार करने की पहल

» सरोजनी नगर विधायक ने रखा प्रस्ताव

» स्कूल पाठ्यक्रम में एआई डिजिटल लिटरेसी और साइबर सिक्योरिटी शामिल करने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ से एक बड़ी और दूरगामी असर वाली पहल सामने आयी है। राजेश्वर सिंह ने उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को भविष्य की जरूरतों के मुताबिक ढालने का एजेंडा सामने रखा है। सरोजिनी नगर से विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर राज्य के स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई, डिजिटल लिटरेसी और साइबर सिक्योरिटी को पाठ्यक्रम में शामिल करने का आग्रह किया है।

विधायक का तर्क साफ है कि दुनिया तेजी से बदल रही है और आने वाले समय में वही आगे रहेगा जो तकनीक को समझेगा और उसे सही तरीके से इस्तेमाल करेगा। उन्होंने अपने पत्र में कहा है कि एआई अब सिर्फ एक तकनीकी शब्द नहीं रह गया बल्कि यह रोजगार, प्रमोशन और करियर ग्रोथ का निर्णायक फैक्टर बनता जा रहा है।

एआई का बाजार होगा 15 ट्रिलयन पार

डॉ. राजेश्वर सिंह ने वैश्विक आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया है कि 2030 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस वैश्विक अर्थव्यवस्था में 15 ट्रिलियन डालर से अधिक का योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा है कि भविष्य में कर्मचारियों की तरक्की इस बात पर निर्भर करेगी कि वे एआई टूल्स का कितना प्रभावी उपयोग कर पाते हैं। ऐसे में स्कूल स्तर से ही इसकी शिक्षा शुरू करना बेहद जरूरी हो जाता है। इसी दिशा में उन्होंने उप्र. एआई और डिजिटल एजुकेशन मिश शुरू करने का प्रस्ताव दिया है। इस मिशन के तहत कक्षा 6 से ही छात्रों को एआई और कोडिंग की शिक्षा देने, स्कूलों में डिजिटल और एआई इनोवेशन लैब स्थापित करने, और शिक्षकों को आधुनिक तकनीक में प्रशिक्षित करने की बात कही गई है। इसके लिए इंडियर इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर टेक्नोलाजी कानपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग की भी योजना रखी गई है।

अमल की जरूरत

सिर्फ एआई ही नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा को भी इस प्रस्ताव का अहम हिस्सा बनाया गया है। डा. राजेश्वर सिंह ने हाल के साइबर हमलों का हवाला देते हुए कहा कि डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरों के बीच छात्रों को साइबर सेफ्टी, डेटा प्रोटेक्शन और जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार की जानकारी देना अब विकल्प नहीं बल्कि अनिवार्यता बन चुका है। उन्होंने हाल ही में सामने आए साइबर अटैक के मामलों का जिक्र करते हुए चेताया कि अगर बच्चों को समय रहते जागरूक नहीं किया गया तो वे डिजिटल खतरों का आसान निशाना बन सकते हैं। डा0 राजेश्वर सिंह का मानना है कि अगर यह पहल लागू होती है तो इससे न सिर्फ छात्रों को भविष्य की नौकरियों के लिए तैयार किया जा सकेगा बल्कि उत्तर प्रदेश को टेक्नोलाजी और इनोवेशन के क्षेत्र में एक नई पहचान भी मिल सकती है। कुल मिलाकर यह प्रस्ताव सिर्फ शिक्षा में बदलाव की बात नहीं करता बल्कि यह उस दिशा की ओर इशारा करता है जहां उत्तर प्रदेश आने वाले समय में टेक्नोलॉजी हब के रूप में उभर सकता है। बशर्ते इस पर तेजी से और प्रभावी तरीके से अमल किया जाए।

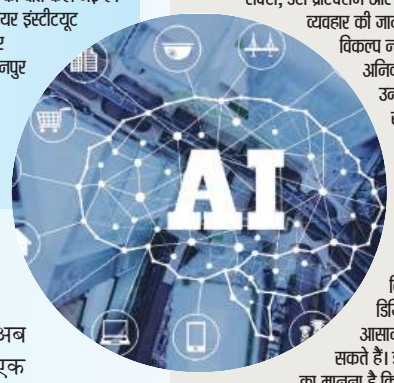

लोस चुनाव के बाद पहली बार वरुण गांधी ने मोदी से की मुलाकात

» उनकी पत्नी और बेटी भी उपस्थित रहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश स्थित पीलीभीत से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद वरुण गांधी ने सपरिवार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है। वरुण के साथ इस दौरान उनकी पत्नी और बेटी उपस्थित रहीं। इस संदर्भ में सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट में वरुण ने लिखा- परिवार सहित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उनका आर्शीवाद और मार्गदर्शन पाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आपके आभामंडल में अद्भुत पितृवत स्नेह और संरक्षण का भाव है। आपसे हुई भेंट इस विश्वास को और भी दृढ़ बना देती है कि आप देश और देशवासियों के सच्चे अभिभावक हैं।

यह तस्वीर सामने आने के बाद सियासी गलियारों में अटकलें लगनी शुरू हो गई हैं। माना जा रहा है कि अगले वर्ष उत्तर प्रदेश में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव में वरुण सक्रि य भूमिका अदा कर सकते हैं। बता दें वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले वरुण गांधी ने कई मौकों पर भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार को लेकर तीखी आलोचना की। इसके अलावा सुल्तानपुर में जब वह अपनी मां और बीजेपी प्रत्याशी मेनका गांधी के प्रचार के लिए भी आखिरी दिन गए थे। तब उन्हें बीजेपी ने पीलीभीत से टिकट नहीं दिया था।

धोनी के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं सैमसन

» सीएसके टीम में शामिल, धोनी से सीखने का मिलेगा मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने जा रहे भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन ने कहा है कि उनकी कई बार फोन पर बातचीत महेंद्र सिंह धोनी से हो चुकी है और अब उनके साथ एक ही टीम में खेलना उनके लिए बड़ा सीखने का मौका होगा। सीएसके ने राजस्थान रॉयल्स से सैमसन को ट्रेड किया था और वह इस सीजन सीएसके के लिए खेलेंगे। सैमसन ने कहा कि उन्होंने अब तक धोनी से फोन पर बात की है और उनसे मुलाकात भी हुई है, लेकिन टीम के साथी के रूप में उनके साथ मैदान पर उतरना उनके लिए खास अनुभव रहेगा।

उनके मुताबिक, वह इसे एक ऐसे अवसर के तौर पर देख रहे हैं जहां उन्हें धोनी जैसे अनुभवी खिलाड़ी से काफी कुछ सीखने को मिलेगा। आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने को लेकर सैमसन ने कहा कि वह नई टीम के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रशंसकों से जो प्यार और समर्थन मिल रहा है, उसके लिए वह खुद को आभारी महसूस करते हैं और आने वाले सीजन में टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेंगे। इससे पहले सैमसन लंबे समय तक राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे हैं। अपनी पूर्व टीम के खिलाफ खेलने की संभावना पर उन्होंने कहा कि यह पहली बार होगा जब वह राजस्थान के खिलाफ मैदान में उतरेंगे, लेकिन मैच के दौरान भावनाओं को हावी नहीं होने देंगे। सैमसन के अनुसार, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स इसलिए छोड़ा क्योंकि उन्हें लगा कि उस टीम के साथ उनका समय पूरा हो चुका है। हालांकि अब अगर उनका सामना राजस्थान से होता है, तो वह पूरी पेशेवर प्रतिबद्धता के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलने की कोशिश करेंगे।

सनराइजर्स के शुरुआती मैच नहीं खेलेंगे कमिंस!

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के नियमित कप्तान पैट कमिंस फिलहाल पीठ की चोट से जूझ रहे हैं और इसी कारण वह आईपीएल 2026 के शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं। ऐसे में सनराइजर्स के लिए परेशानियां बढ़ गई हैं। टीम को ये विचार करना है कि कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की कमान कौन संभालेगा। कमिंस की अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी के लिए रेस में दो भारतीय खिलाड़ी, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन सबसे आगे बताए जा रहे हैं। दोनों ही खिलाड़ी टीम के अहम सदस्य हैं और हाल के समय में शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। ईशान किशन आईपीएल 2025 से सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा हैं। उन्होंने हाल ही में घरेलू क्रिकेट में झारखंड की कप्तानी करते हुए टीम को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी का खिताब दिलाया था, जिससे उनकी कप्तानी क्षमता भी सामने आई है। दूसरी ओर, अभिषेक शर्मा लंबे समय से हैदराबाद की टीम के साथ जुड़े हुए हैं। वह आईपीएल 2019 से पहले टीम में शामिल हुए थे और तब से लगातार टीम की योजनाओं का अहम हिस्सा बने हुए हैं।

अच्छे को अच्छा, बुरे को बुरा कहने वाला ही पक्का हिंदू

» तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी ने की घोषणा- अनंतगिरि पहाड़ियों पर भव्य मंदिर बनायेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को एक नई ऊंचाई देने के लिए एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की है। उन्होंने कहा, मैं एक पक्का और अपनी आस्था का पालन करने वाला हिंदू हूं मैं कर्म के सिद्धांत में विश्वास रखता हूं.. मैं दूसरे धर्मों का सम्मान करता हूं, लेकिन मैं अपने धर्म का पालन करता हूं। एक पक्का हिंदू होने का मतलब है कर्म के सिद्धांत में विश्वास रखना, अच्छे को अच्छा और बुरे को बुरा कहना ही एक पक्के हिंदू की असली पहचान है। उनकी इन टिप्पणियों से यह साफ जाहिर होता है कि वे इस परियोजना को कितनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्ता देते हैं।

मुख्यमंत्री ने मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना के तहत अनंतगिरी पहाड़ियों में एक भव्य मंदिर बनाने का निर्णय लिया है। यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र होगा, बल्कि इसे भारत की समृद्ध विरासत के प्रतीक के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस नए मंदिर को यादगिरिगुट्टा लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर जैसी ही भव्यता और प्रमुखता देने की योजना है। हैदराबाद से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित अनंतगिरी पहाड़ियां मूसी नदी का उद्गम स्थल हैं। यहां आध्यात्मिक केंद्र बनाने के पीछे सरकार की मंशा पर्यावरणीय पुनरुद्धार को सांस्कृतिक पर्यटन के साथ जोड़ना है। इस स्थान पर एक भव्य सांस्कृतिक स्थल का निर्माण करना, प्रशासन के उस प्रयास को दर्शाता है जिसके तहत वे आध्यात्मिक विरासत को पर्यावरणीय पुनरुद्धार के साथ जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

झूठे प्रचार को लेकर विपक्ष पर तीखा हमला

बीआरएसपर तीखा प्रहार करते हुए, रेवंत रेड्डी ने पार्टी पर यह आरोप लगाया कि वह मूसी परियोजना के बारे में नागरिकों को गुमराह करने के लिए झूठा प्रचार फैला रही है। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सरकार राज्य के संरक्षक के तौर पर काम करती है, न कि अपनी सत्ता का प्रदर्शन करके, उन्होंने कहा, हमारी सरकार का यह पक्का मानना है कि हम अपनी शक्तियों का इस्तेमाल राज्य के संरक्षक के तौर पर करते हैं, न कि अपनी सत्ता दिखाने के लिए।

आर्थिक अपराधों में फरार 20 आरोपी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में आर्थिक अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन ने विशेष अभियान ऑपरेशन शिकंजा के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। मुख्यमंत्री की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत 9 मार्च से 15 मार्च 2026 तक चलाए गए अभियान में वर्षों से फरार चल रहे 20 वांछित अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

ईओडब्ल्यू मुख्यालय और सेक्टर स्तर पर कुल 8 विशेष टीमें गठित की गई थीं, जिनके सहयोग के लिए सेंट्रल क्रैक टीम को भी सक्रिय किया गया। टीमों ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में लगातार छापेमारी और धरपकड़ कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

लारी हॉस्पिटल में मरीजों से दलाली करने वाला गिरोह धरा गया

» वजीरगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 4 गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। थाना वजीरगंज पुलिस ने लारी हॉस्पिटल परिसर में सक्रिय दलालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मरीजों और उनके तीमारदारों को झांसा देकर प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराने के नाम पर ठगी करने वाले 4 दलालों को गिरफ्तार किया है। इंस्पेक्टर वजीरगंज राजेश त्रिपाठी ने बताया कि पुलिस को काफी समय से शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ दलाल सरकारी अस्पताल में इलाज कराने आए मरीजों और उनके परिजनों को बहला-फुसलाकर आसपास के निजी अस्पतालों में बेहतर इलाज का झांसा देते हैं और वहां भर्ती कराने के नाम पर मोटी दलाली लेते हैं।

पुलिस ने परिसर में सक्रिय चार दलालों को मौके से दबोच लिया। ये लोग सरकारी अस्पताल में आए गरीब मरीजों और तीमारदारों को अपने जाल में फंसाकर निजी अस्पतालों में भेजते थे और वहां से कमीशन लेकर फरार हो जाते थे। इंस्पेक्टर ने बताया कि ऐसे दलालों पर पुलिस की लगातार नजर बनी हुई है और आगे भी अस्पताल परिसर में इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

8 विपक्षी सांसदों से हटा निलंबन, थमेगा घमासान

» संसद में प्रस्ताव लाकर सांसदों का निलंबन रद्द

» संसद के बजट सत्र में पक्ष-विपक्ष का हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद में निलंबित किए गए आठ सांसदों का निलंबन आज वापस ले लिया गया है। मंगलवार को संसद में प्रस्ताव लाकर इन सांसदों का निलंबन रद्द किया किया। साथ ही उन्हें चेतावनी भी दी गई कि आगे इस तरह का आचरण न अपनाए। सोमवार को लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की ओर से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में इस मुद्दे पर सहमति बनी थी।

वहीं बीजेपी ने दावा किया है कि पक्ष और विपक्ष के बीच दो समझौते हुए हैं, जिसके तहत अब विपक्ष फर्जी बयानबाजी नहीं करेगा। बीजेपी सांसद निशिकांत ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि आज सभी कांग्रेस पार्टी के सांसदों का निलंबन शायद वापस होगा। उन्होंने कहा, यह पहला समझौता हुआ कि विपक्ष के नेता अनर्गल, बेबुनियाद,तथ्यहीन,बकवास बातें सदन में नहीं करेंगे। उसके बदले मैं शांतिपूर्ण व्यवहार करूंगा।

मैं बहुत खुश हूं : प्रियंका गांधी

सभी 8 सांसदों का निलंबन रद्द होने के बाद कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपनी प्रतिकि या देते हुए कहा, मैं बहुत खुश हूं कि यह रद्द हो गया है।

वेल में सत्ता पक्ष की तरफ नहीं जाएंगे विपक्ष के सांसद : निशिकांत दुबे

निशिकांत दुबे ने आगे बताया कि, दूसरा समझौता हुआ है कि वेल में विपक्ष के सांसद सत्ता पक्ष की तरफ नहीं जाएंगे, कागज नहीं फेकेंगे, लोकसभा के मेज पर चढ़कर उत्पात नहीं मचाएंगे लोकसभा के अधिकारियों के साथ अभद्रता नहीं करेंगे।लोकतंत्र की मर्यादा बनी रहे,जनता ने हमें वाद विवाद के लिए संसद बनाया है ना कि उत्पात मचाने के लिए।

महिला आरक्षण के मुद्दे पर सरकार बुलाए सर्वदलीय बैठक : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, मैंने संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजीजू को एक चिट्ठी लिखकर मांग की है कि महिला आरक्षण के मुद्दे पर सरकार को सर्दलीय बैठक बुलाना चाहिए। विपक्षी दलों को अलग-अलग सलाह मशवरे के लिए बुलाना सही नहीं होगा, क्योंकि इसके जरिए राजनीतिक दलों को इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर डिवाइड करने की कोशिश हो सकती है। यह राष्ट्रीय हित से जुड़ा मामला है. इस पर सरकार को सभी राजनीतिक दलों में आम सहमति और उनकी राय लेकर ही आगे बढ़ना चाहिए।

उन्नाव रिश्वत कांड में छोटी मछली पर कार्रवाई, बड़े अफसर पर उठते सवाल!

» उन्नाव शिक्षा विभाग में 50 हजार की मांग का वीडियो वायरल

» बाबू सस्पेंड, बीएसए की भूमिका पर जांच को लेकर संशय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। उन्नाव के बेसिक शिक्षा विभाग में सामने आए एक रिश्वत कांड ने प्रदेश सरकार की जीरो टोलरेंस दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला बांगरमऊ ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय तमोरिया बुजुर्ग से जुड़ा है जहां एक शिकायत के निस्तारण के नाम पर 50 हजार रुपये की मांग का आरोप लगा है। इस पूरे प्रकरण में कार्रवाई तो हुई लेकिन केवल निचले स्तर के कर्मचारी तक सीमित रहने से अब जांच की निष्पक्षता पर भी सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के मुताबिक जनसुनवाई पोर्टल पर दर्ज एक शिकायत के आधार पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक अमरेश प्रताप सिंह को नोटिस जारी किया गया था। यह नोटिस बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश पाण्डेय की ओर से भेजा गया था। विद्यालय प्रशासन ने समय रहते शिकायत का जवाब भी प्रस्तुत कर दिया लेकिन आरोप है कि इसके बाद फाइल को बंद कराने के लिए पैसे की मांग शुरू हो गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे मामलों में केवल निचले स्तर के कर्मचारियों पर कार्रवाई करने से सिस्टम की जवाबदेही तय नहीं हो पाती। जरूरत इस बात की है कि पूरे प्रकरण की स्वतंत्र और पारदर्शी जांच हो, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि जिम्मेदारी किस स्तर तक जाती है। फिलहाल उन्नाव का यह मामला एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर रहा है कि क्या भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्ती सिर्फ दावों तक सीमित है या जमीनी स्तर पर भी उसकी असली परीक्षा होनी बाकी है।

बड़े बाबू का उच्चाधिकारियों के निर्देश पर खेल

बताया जा रहा है कि बीएसए कार्यालय में तैनात बड़े बाबू उदयवीर सिंह ने अधिकारी के नाम पर 50 हजार रुपये की डिमांड रखी। जब रकम देने में देरी हुई तो दोबारा नोटिस जारी कर कार्रवाई का दबाव बनाया गया। इस घटनाक्र म ने पूरे मामले को संदिग्ध बना दिया। इस बीच अध्यापक और बाबू के बीच हुई बातचीत का एक वीडियो सामने आया जो खुफिया कैमरे में रिकार्ड किया गया बताया जा रहा है। वायरल हो रहे इस वीडियो में पैसे की मांग करते हुए आवाजें साफ सुनी जा सकती हैं। वीडियो के सार्वजनिक होने के बाद मामला तेजी से तूल पकड़ने लगा और शिक्षा विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठने लगे।

उदयवीर को किया गया निलंबित

विवाद बढ़ने पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बाबू उदयवीर सिंह को निलंबित कर दिया। वहीं बीएसए शैलेश पाण्डेय ने पूरे मामले की जांच के आदेश देने की बात कही है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि इस कार्रवाई के बाद भी कई सवाल अनुत्तरित हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि रिश्वत की मांग कथित तौर पर अधिकारी के नाम पर की गई तो क्या सिर्फ बाबू पर कार्रवाई कर मामले को खत्म करना पर्याप्त है? क्या जांच उसी तंत्र के भीतर रहकर निष्पक्ष हो पाएगी जिस पर आरोप लग रहे हैं?

बच्चे को गोद लेने वाली महिला को भी मैटरनिटी लीव का हक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बच्चे को गोद लेने वाली महिला को को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि गोद लेने वाली महिलाओं को भी मातृत्व अवकाश देने से इनकार नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

गोद लेने वाली महिलाओं को जन्म देने वाली माताओं के समान ही मातृत्व लाभ प्राप्त करने का अधिकार है। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि तीन महीने से अधिक उम्र के बच्चे को गोद लेने वाली महिला को मातृत्व अवकाश देने से इनकार नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से पितृत्व अवकाश नीति लाने पर विचार करने का आग्रह किया। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि मातृत्व संरक्षण एक मूलभूत मानवाधिकार है। 3 महीने से बड़े बच्चे को गोद लेने वाली महिला को मैटरनिटी लीव देने से इनकार नहीं किया जा सकता। परिवार बनाने के गैर जैविक तरीके भी उतने ही कानूनी हैं। जैविक फैक्टर खुद से परिवार नहीं बनाते।गोद लिया हुआ बच्चा जैविक बच्चे से अलग नहीं होता। रिप्रोडक्टिव ऑटोनॉमी का अधिकार सिर्फ़ बायोलॉजिकल रिप्रोडक्शन तक सीमित नहीं है। हम गोद लेने वाली मां और जैविक मां के बीच अंतर मानते हैं, लेकिन हमें सवालों का जवाब देते समय इस एक्ट के मकसद को भी देखना चाहिए।

रास चुनाव में एनडीए को हुआ लाभ

135 से अधिक सीटें हो गई है, 37 में से 22 सीटों पर जीत दर्ज की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा चुनाव में एनडीए 37 में से 22 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही है। विपक्ष को 15 सीटों पर जीत मिली है, अब राज्यसभा में एनडीए के पास बहुमतमाना जा रहा है कि केंद्र सरकार अब जल्द ही कुछ बिल पास करने की कोशिश में जुट सकती है। जिन ग्यारह सीटों के लिए कल वोट डाले गए उनमें एनडीए ने नौ सीटें जीत लीं।

पार्टी ने बिहार और ओडिशा में एक-एक अतिरिक्त सीट जीती जबकि हरियाणा में कांटे की टक्कर के बाद एक सीट उसके खाते में आई। 26 सीटों पर निर्विरोध चुनाव हुआ था जिनमें एनडीए ने 13 सीटें जीती थीं। इस तरह 37 में से एनडीए ने 22 सीटें

जीत कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। विपक्ष के खाते में 15 सीटें आई हैं. कांग्रेस के लिए राहत की बात यह है कि उसकी राज्यसभा में विपक्ष के नेता की कुर्सी बची रहेगी। इसका सीधा असर राज्यसभा में देखने को मिलेगा। ऊपरी सदन में एनडीए अब स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुका है। बीजेपी 103 सीटों के साथ पहले ही सबसे बड़े दल के रूप में मजबूती से खुद को स्थापित कर चुकी थी। ताजा परिणामों के बाद पार्टी की स्थिति और अधिक मजबूत होगी. बीजेपी और उसके सहयोगियों की सीटें बढ़ कर 135 से भी अधिक हो गई हैं जो महत्वपूर्ण बिलों को पारित कराने में बेहद मददगार साबित होने वाली हैं।

राज्यों में शानदार प्रदर्शन

एनडीए ने महाराष्ट्र की सात में से छह, बिहार की सभी पांच, असम की सभी तीन, ओडिशा की चार में से तीन, तमिलनाडु की पांच में से दो, पश्चिम बंगाल की पांच में से एक और हरियाणा और छत्तीसगढ़ की दो में से एक सीट जीती। मनोनीत सांसद रंजन गोगोई का कार्यकाल भी समाप्त हो रहा है जिनकी जगह जल्दी ही मनोनयन होगा और वह सीट भी एनडीए के खाते में ही गिनी जाएगी।

'एपस्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटायें'

» हरदीप पुरी की बेटी की याचिका पर हाईकोर्ट ने दिया आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी को दोषी ठहराए गए अमेरिकी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से जोड़ने वाली सोशल मीडिया सामग्री को 24 घंटे के भीतर हटाने का निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति मिनी पुष्करना ने कई उपयोगकर्ताओं को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस तरह की सामग्री को किसी भी तरह से प्रकाशित करने, प्रसारित करने या फैलाने से भी रोक दिया। हिमायनी पुरी द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश ने स्पष्ट किया कि यदि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता पोस्ट नहीं हटाते हैं, तो प्लेटफॉर्म ऐसी सामग्री को हटा देंगे या उस तक पहुंच को अवरुद्ध कर देंगे। अदालत ने पाया कि हिमायनी पुरी के पक्ष में प्रथम दृष्टया मामला बनता है और यदि अंतरिम राहत नहीं दी गई तो उन्हें अपूरणीय क्षति होगी।

पश्चिम एशिया संघर्ष का 18वां दिन, जनजीवन बेहाल

सऊदी, यूएई से कतर और लेबनान तक चिंता और डर में जी रहे आम लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। पश्चिम एशिया में बीते 18 दिनों से बारूद की ढेर पर खड़ा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है।

मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 18वें दिन में प्रवेश कर चुका है और अभी भी ईरान की तरफ से इस्राइल और खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार बमबारी जारी है, जिसके चलते संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब,

कतर, ईरान और लेबनान अब सुरक्षा खतरों का सामना कर रहे हैं।

तेल और गैस के बड़े क्षेत्र पर हमलों के कारण आम लोगों में डर और चिंता बढ़ गई है। इसी घटना के बाद यूएई की सेना ने बड़ा कदम उठाते हुए अपनी वायुमार्ग (एयरस्पेस) कुछ समय के लिए बंद कर दी। उन्होंने कहा कि वे ईरान से मिसाइल और ड्रोन खतरों का जवाब दे रहे हैं। बाद में एयरस्पेस को फिर से खोल दिया गया।

यूएई में तेल टैंक फार्म में आग

तेज होते हमलों के बीच मंगलवार को यूएई के पूर्वी तट पर स्थित फुजैराह में एक तेल टैंक फार्म में आग लग गई। यह आग ड्रोन हमले के कारण लगी थी। अधिकारियों ने बताया कि इस हमले में कोई घायल नहीं हुआ। आग को जल्द से जल्द बुझाने के लिए दमकल और सुरक्षा बल काम कर रहे हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com |website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा